

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 20 October 2026

संघर्षों से सफलता तक सोनाली जयकार का प्रेरणादायक सफर, शिक्षा, सौंदर्य और करियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में बनाई अलग पहचान

Sanket Morankar

Published on 19 Oct 2026



जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियां कई बार व्यक्ति के सामने ऐसी चुनौतियां खड़ी कर देती हैं, जिनसे उबरना आसान नहीं होता। लेकिन आत्मविश्वास, मेहनत और लगातार आगे बढ़ने की इच्छा हो, तो मुश्किलों के बीच भी नई राह बनाई जा सकती है। सोनाली जयकार का जीवन सफर इसी विचार को सामने लाता है। महज 14 वर्ष की उम्र में माता-पिता का साया खोने के बाद उन्होंने कम उम्र में ही जीवन की जिम्मेदारियों का सामना करना शुरू किया। इसके बावजूद उन्होंने हार मानने के बजाय अपने लिए नए अवसर तलाशे और शिक्षा, सौंदर्य क्षेत्र, करियर मार्गदर्शन तथा सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए।

उनकी यात्रा केवल व्यक्तिगत सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में अपने कौशल को पहचानने, लगातार सीखने और जीवन को नई दिशा देने के प्रयासों का उदाहरण भी है।

14 वर्ष की उम्र में शुरू हुआ संघर्ष का दौर

सोनाली जयकार के जीवन में कम उम्र में ही बड़ा बदलाव आया, जब 14 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपने माता-पिता को खो दिया। इस कठिन परिस्थिति में जीवन को संभालना और भविष्य के लिए रास्ता बनाना उनके सामने बड़ी चुनौती थी। ऐसे समय में उन्होंने परिस्थितियों के आगे हार मानने के बजाय काम करना शुरू किया।

उन्होंने साड़ी व्यवसाय से अपनी शुरुआती व्यावसायिक यात्रा शुरू की। कम उम्र में काम की जिम्मेदारी संभालने के अनुभव ने उन्हें व्यावहारिक जीवन की चुनौतियों से परिचित कराया। इस शुरुआत ने उनके भीतर आत्मनिर्भर बनने और अपनी क्षमताओं के आधार पर आगे बढ़ने का संकल्प मजबूत किया।

उनका यह कदम दर्शाता है कि जीवन में किसी भी उम्र में जिम्मेदारियों का सामना करने के लिए साहस और सीखने की इच्छा

महत्वपूर्ण होती है। हालांकि, हर व्यक्ति की परिस्थितियां अलग होती हैं, लेकिन सोनाली का अनुभव कठिन समय में नए रास्ते तलाशने की प्रेरणा देता है।

16 वर्ष की उम्र में ब्यूटी अकादमी और शिक्षा के क्षेत्र में कदम

सोनाली जयकार ने केवल दो वर्षों के भीतर अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार किया। 16 वर्ष की उम्र में उन्होंने ब्यूटी पार्लर अकादमी शुरू की। इसके साथ ही मुंबई के बांद्रा क्षेत्र में पहली से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को पढ़ाना भी शुरू किया और शैक्षणिक कोचिंग अकादमी स्थापित करने की दिशा में काम किया।

सौंदर्य प्रशिक्षण और शिक्षा जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने से उन्हें विविध प्रकार के लोगों के साथ जुड़ने का अवसर मिला। एक ओर ब्यूटी अकादमी के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण का अनुभव मिला, तो दूसरी ओर विद्यार्थियों को पढ़ाने से मार्गदर्शन और संवाद की क्षमता विकसित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

इन शुरुआती प्रयासों ने उनके व्यक्तित्व और व्यावसायिक अनुभव को आकार देने में भूमिका निभाई। उन्होंने समय के साथ अपने कार्यक्षेत्र को व्यापक बनाया और नए क्षेत्रों में काम करने की संभावनाएं तलाशीं।

करियर मार्गदर्शन और कोचिंग में बहुआयामी भूमिका

समय के साथ सोनाली जयकार ने शिक्षा और सौंदर्य क्षेत्र से आगे बढ़कर करियर मार्गदर्शन, बिजनेस कोचिंग और माइंडसेट कोचिंग जैसे क्षेत्रों में भी कार्य किया। इसके अलावा उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उन्होंने वास्तुशास्त्र, ज्योतिष और अंकशास्त्र से जुड़े क्षेत्रों में भी अपनी गतिविधियां विकसित कीं।

करियर मार्गदर्शन का उद्देश्य लोगों को उनकी रुचियों, क्षमताओं और संभावित अवसरों को समझने में सहायता देना है। इसी तरह बिजनेस कोचिंग और माइंडसेट कोचिंग के माध्यम से व्यक्ति अपने लक्ष्यों, काम करने की शैली और व्यक्तिगत विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

विभिन्न क्षेत्रों में काम करने का उनका प्रयास यह दर्शाता है कि वह अपने अनुभवों को लगातार विस्तार देने और लोगों से जुड़ने के नए तरीके तलाशने में रुचि रखती हैं। इन क्षेत्रों में मार्गदर्शन की गुणवत्ता और परिणाम व्यक्ति की आवश्यकताओं, योग्यता तथा अपनाई जाने वाली पद्धतियों पर निर्भर करते हैं।

मराठी टेलीविजन कार्यक्रमों के माध्यम से पहचान

सोनाली जयकार की गतिविधियों को टेलीविजन के माध्यम से भी मंच मिला। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वर्ष 2017 में वह SAAM TV Marathi के 'Maharashtra Calling' कार्यक्रम में दिखाई दीं। इसके बाद वर्ष 2024 में TV9 Marathi के एक कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने करियर मार्गदर्शन से संबंधित जानकारी साझा की।

टेलीविजन जैसे माध्यमों से विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखने का अवसर मिलने से लोगों तक जानकारी पहुंचाने का दायरा बढ़ सकता है। करियर से जुड़े सवालों पर मार्गदर्शन देने की उनकी भूमिका उनके बहुआयामी कार्यक्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उनके कार्यों के लिए कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त होने की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई है। हालांकि, संबंधित पुरस्कारों के नाम, वर्ष और आयोजकों का विवरण प्रकाशित करने से पहले सत्यापित करना उचित होगा।

सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी

व्यावसायिक गतिविधियों के साथ सोनाली जयकार सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में भी भाग लेती हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वह भारतीय संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों के आयोजन, परिवारों को एक साथ लाने वाले उपक्रमों और बच्चों के लिए क्रिकेट प्रतियोगिताओं को प्रोत्साहित करने जैसी गतिविधियों में शामिल रहती हैं।

ऐसे आयोजन लोगों को आपस में जुड़ने, सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने और विभिन्न आयु वर्गों के बीच संवाद विकसित करने का अवसर प्रदान कर सकते हैं। बच्चों के खेल आयोजनों को प्रोत्साहन देना भी उनके लिए सहभागिता और टीम भावना विकसित करने का माध्यम बन सकता है।

